भारत सरकार
श्रम और रोजगार मंत्रालय
राज्य सभा
अतारांकित प्रश्न संख्या- 896
गुरूवार, 09 फरवरी, 2023/20 माघ, 1944 (शक)

विनिर्माण क्षेत्र में रोजगार

896. **श्री संदोष कुमार पीः**

क्या **श्रम और रोजगार** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) वर्ष 2020 से विनिर्माण क्षेत्र में सृजित रोजगार के नए अवसरों का उद्योग-वार आंकड़ा क्या है;
(ख) क्या विनिर्माण क्षेत्र में रोजगार के अवसरों में पर्याप्त बढोतरी हुई है;
(ग) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है; और
(घ) यदि नहीं, तो इसके क्या कारण हैं?

उत्तर
श्रम और रोजगार राज्य मंत्री
(श्री रामेश्वर तेली)

(क) से (घ): सांख्यिकी और कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय (एमओएसपीआई) द्वारा वर्ष 2017-18 से करवाया जा रहा आवधिक श्रम बल सर्वेक्षण (पीएलएफएस), रोजगार और बेरोजगारी पर आधिकारिक डेटा स्रोत होता है। सर्वेक्षण की अवधि जुलाई से अगले वर्ष जून तक होती है। नवीनतम उपलब्ध वार्षिक पीएलएफएस रिपोर्टों के अनुसार, वर्ष 2020-21 के दौरान सामान्य स्थिति आधार पर विनिर्माण उद्योग में कार्यरत व्यक्तियों का अनुमानित प्रतिशत 10.9% था।

इसके साथ-साथ, श्रम ब्यूरो द्वारा त्रैमासिक रोजगार सर्वेक्षण (क्यूईएस) आयोजित किया जाता है, जिसका उद्देश्य क्रमिक तिमाहियों में, भारत की गैर-कृषि अर्थव्यवस्था के चयनित नौ क्षेत्रों के संबंध में रोजगार की स्थिति का आकलन करना है। चयनित नौ क्षेत्र विनिर्माण, निर्माण, व्यापार, परिवहन, शिक्षा, स्वास्थ्य, आवास और रेस्तरां, सूचना प्रौद्योगिकी (आईटी)/बिजनेस प्रोसेस आउटसोर्सिंग (बीपीओ) और वित्तीय सेवाएं हैं। क्यूईएस के चौथे दौर (जनवरी-मार्च, 2022) के अनुसार, नौ चयनित क्षेत्रों में अनुमानित कुल रोजगार 3.18 करोड़ था, जो क्यूईएस के पहले दौर (अप्रैल--जून, 2021) के अनुमानित रोजगार (3.08 करोड़) से 10 लाख अधिक है। जनवरी-मार्च, 2022 के दौरान विनिर्माण क्षेत्र में श्रमिकों की अनुमानित संख्या 122.5 लाख थी। जनवरी-मार्च, 2022 के दौरान श्रमिकों की कुल संख्या का सबसे बड़ा प्रतिशत (38.5%) विनिर्माण क्षेत्र का है।

*****